गुफा और कास्ट संरक्षण के 
लिए दिशानिर्देशों की पूरी सूची 

गुफा और कास्ट संरक्षण के लिए दिशानिर्देश, दूसरा संस्करण, पोस्टरोजना, स्लोवेनिया: 
इंटरनेशनल यूनियन ऑफ स्पेलोलोजी औंड ग्लैंड, स्लोवेनिया, आईयूएसीएन. 112 पृष्ठ
कार्टेस एक स्थलाकृति है जो चूना पत्थर, डोलोमाइट और जिसम सैंसू गुलनशील कार्टेस के विघटन से बनती है।

कार्टेस और गुफाओं के कुछ मूल्य
(1) कार्टेस क्षेत्रों के लिए भाषा योजना, स्थानीय सांस्कृतिक और राजनीतिक संदर्भ में उनके सभी आधिकारिक, वैज्ञानिक और सामाजिक मूल्यों की पूरी सहायता की मांग करती है।
(2) प्रवेशद्वारों को यह समझना चाहिए कि कार्टेस जलवायु में सही क्रियाओं का परिवर्तन या अप्रत्याशित रूप से स्पष्ट या अग्रेष्मण की दिशा में होता है।
(3) किसी भी कार्टेस क्षेत्र के वेतन प्रवेश के लिए गुफा की विशेषताओं और उनके अहंकारिक मूल्यों की अवधारणा अवश्यक है।

कार्टेस वातावरण और गुफाओं प्रमाणित की विशेष प्रकृति
(4) प्राकृतिक प्रमाणों की सुसंध, विषय रूप से जल विस्फोट प्राप्तिकारी, कार्टेस परिवर्तुश्च तथा प्रवेश और प्रवेश के लिए विशेष लागतें।
(5) कार्टेस प्रवेशद्वारों में सबसे प्रमुख कार्निक डायोक्साइड (CO₂) का उपयोग है जो वातावरण तथा वातावरण के मूल भूमिका में होता है, जिसमें विषय विविध और गुफा में कम संदर्भ के मायमें होता है। विषय में कार्निक डायोक्साइड की उच्च संतति शीतकाल की जड़े के बाद, भूगर्भस्थ यात्रियों और विविध विविध अपरिवर्तित जीवों (invertebrate) का प्रत्यक्ष। कार्टेस संबंधित रासायनिक प्रमाणों के प्रावधान संचालन के लिए इसे लेने के लिए रखा जाता चाहिए।
(6) कई अन्य चौड़े की रचना (Lithology) की तुलना में कार्टेस परिवर्तुश्च के लिए कुल जलवायु प्राप्तिकारी की अधिक आवश्यकता है।
(7) अब अंतर्राष्ट्रीय कार्टेसियासा कार्टेस परिवर्तुश्च बने हैं और जो बने हैं उन्हें उच्च प्राप्तिकारी संस्थान और बनाए रखा जा चाहिए।

कार्टेस क्षेत्रों में प्रवेश के पैमाने
(8) एक जलवायु कार्टेस जल विस्फोट प्राप्तिकारी (जलित एककृत गुफा प्राप्तिकारी) पर लागू एक प्रवेश योजना के अधार पर बिभिन्न हिस्सों में चल सके भू-आकृति विस्फोट और पारस्परिक प्रक्रियाओं की शाखा रूप से रखा करना संभव नहीं है। संबंधित प्रवेश योजना को कार्टेस प्रमाणित के पैमाने के कारण को ध्यान में रखा जाए।
(9) अधिकांश गुफाओं में जल विस्फोट काफी तक सही स्वायत्तता से लागू गया है और परिवर्तन नहीं होता है। जीवों की हायर आवश्यकता के अवसर के लिए बाहरी घरों के समान और तथ्यों का प्रदर्शन महत्वपूर्ण है, और जीव आवश्यक के मायमें के लिए गुफा पारस्परिकता तंत्र में कुर्सी, बुद्धि, पारिवारिक और पारस्परिक आवश्यकता है।
(10) एक विश्वास प्राप्त एक वैज्ञानिक सिस्टम (वैज्ञानिक प्राप्तिकारी) में कई पदक और प्रवेश के कारण हो सकते हैं, जैसे लंबी धारा मायमें से लेकर विकसित, उच्च-तात्त्विक बाले, साथ ही साथ राहत रूप से जुड़े अवशेष मायमें प्रवेश के लिए राहत प्रदर्शन में सही आवश्यकता होगी।
(11) कार्टेस के पैमाने, कुछ खुद कई कार्टेस के पैमाने अवधारणा संबंधित हो सकते हैं। जबकि किसी भी क्षेत्र का नजरियां संबंधित हो सकते हैं।
भाषा गफा और काट सरण के लिए दिशानदश के परी सची िहदीं।

(27) अभिमान: विशिष्ट प्रकार के प्रकार को गुप्ता के वर्गों में इस प्रकार विभाजित किया जाना चाहिए इसलिए गुप्ता के वर्गों के बीच आंतर्गत द्वारा देखा जाने वाला हिस्सा का क्षेत्र से प्रकारित किया जा सकता है।

(28) अनुसूची घनोंय प्रकार की अनुसूची देने के लिए कारप प्रदानी गुप्ता प्रकार को निघाना द्वारा उत्पन्न किया गया है। निघानी अनुसूची के अनुसार का रूप से गुप्ता, जीव, जातीय और क्षेत्रीय डाइनोसाइक संरचन की बुनियादी निघाने की जानी चाहिए।

(29) प्रदानी गुप्ता प्रकार को प्रदानी गुप्ता के व्यवस्थापक प्रकार के प्रधान और इसके पर्यावरण संरचन के संदर्भ में सचाई होगी।

(30) किसी भी प्रदानी गुप्ता में गुप्ता मार्गरेक्टिक और आंतर्गत के बीच संबंध के रूप में बुनियादी भूमिका निघानी है। यह आंतर्गत है कि मार्गरेक्टिक को गुप्ता के घुंघरी और आंतर्गत को उक्त विषय में जानकारी देने के लिए संकेत किया जाता है।

(31) किसी प्रदानी गुप्ताओं की उच्चता बढ़ता वाक्यात्मक जानकारी विभाजित की जाती है, जिससे जाना कि गुप्ता के व्यवस्थापक को बेहतर दंग से समझने और उसकी सहायता करने में मदद मिल सके।

(32) कार्टेस सतह पर साहित्यक और पर्यावरण गतिविधियाँ

(33) कार्टेस सतह पर गतिविधियों का सम्बन्ध करने के लिए आवश्यक बुनियादी सामग्री दो दिशानदश से संरचित और साहित्य दक्षिण का चाहिए कि यह कार्टेस की संरचना और आवश्यक पर बहुत कम प्राप्त आता हो और यदि आवश्यक हो तो भविष्य में आसानी से हाय बाकी सकता हो, और कार्टेस को उच्चारण उसकी वार्ता रिच्चित में वापस ला सकता हो।

(34) प्रदानी और कार्टेस के साथ संरचित क्षेत्रों में अनुसूचित के प्रधान के लिए नीतियाँ विभाजित किए जायें, जो व्यावसायिक विभाजन और अंधकार के लिए है।

(35) गुप्ताओं में घोष करने के लिए इसके लोगों को या तो यह प्रस्तुत करने में सक्षम होगा कार्टेस के व्यवस्थापक और साहित्य न्यूनता प्रभाव गुप्ताओं नियम (Minimal Impact Caving Code) से परीक्षित हो, या यह अनुसूची गुप्ताओं के साथ काम कर रहे हैं, जो नियम का पालन सुनिश्चित करते हैं।

(36) नियम गुप्ताओं के लिए प्रकारण जोड़ा जाता है, उक्त अनुसूचित गतिविधियों पर एक अनुमान होना चाहिए।

(37) गुप्ताओं या कार्टेस पर कारण बनाने वाले समीक्षकों को, यहाँ संरचित क्षेत्रों के अंतर हो या नहीं, उनके प्रकार का साथ बाहरी और न्यूनता प्रभाव गुप्ताओं के प्रशिक्षण की सहायता की जाती है, जिसमें संगठित जारी की तुलना के साथ पर्यावरण या साहित्य न्यूनता कुलजन के जोखिम शामिल होते हैं।

(38) जीवों, गुप्ता ग्रांथिक (speleothem) और तलच (sediments) के न्यूनतम न्यूनता विभिन्न (Minimal Sampling Method) पर जोर दिया जाता जाए, और शोधकर्ताओं को जनता के निर्देशिका प्राकृतिक मूल्यांकन करने की सहायता की जाती है, जिसमें संवेदनशील लाइफ के पूरे होने पर शोधकर्ताओं को उच्चता हटाने और स्थान पुनर्नियंत्रण (यदि आवश्यक हो) के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए।

(39) कृषि और वाणिकी

(40) कृषि उपयोग के संबंध में, कृषि योग भूमि के लिए सामान्यता और न्यूनता प्रभाव गुप्ताओं के नियम की संरचना की जाती है। नियम जीवन के प्रति परिवर्तन पर बिशेष मत में चाहिए और नीति पानी के माही की जाना चाहिए।

(41) जो भी संभव हो, भविष्य के क्षेत्र को पूर्णता दिखाई देंगे क्षेत्र के आसारण स्थिति के दिवस का, जैसे कि बुधवार भारत, दोलाईन या
गुप्ता पारिस्थितिक तंत्र का अवतंत्र की रचना के साथ-साथ जलवैज्ञानिक प्रक्रियाओं का संबंध था के तत्कालीन गुप्ता और कार्टेसियन के संबंधायित संकेत द्वारा बुधवार के तरीके रहे।

50) जहाँ कोई विकल्प नहीं है, जहा प्रक्रियाओं के दृष्टिकोण सही, अन्य अवैज्ञानिक अवधारणाएं के लिए निर्णय नहीं जा सकता है। यहीं, गुणावलंबी-पर्यावरण (palace-environmental) अवधारणा के लिए गुणांक निर्धारित और पर्यावरण को दूर जाने का निर्णय नहीं जा सकता है।

51) जब विकास की अनुमति है, तो एक अच्छी तरह से संचालित पर्यावरण संस्करण प्राप्त होनी हामी, साथ ही संचालन के दौरान खत्मी और संगठन की रणनीतियों को प्रभावित करने के लिए एक नियमानुसार निर्धारित होनी हामी, तब तहत वहाँ पाने पर बतावा किये जा सकते। यह विकल्प समाप्त योजना भी होनी हामी जिसमें उच्च पुरस्कार/बहाली और दौड़कुचलक नियमानुसार शामिल हो, जिसमें समाप्त करने के लिए उपलब्ध कराने का आवश्यक देने के लिए अधिकतर स्वागतिक किया गया कर (bond) शामिल है।

विकास और ग्रुपीवार दांत

52) कार्टेसियन क्षेत्रों में निर्माण परियोजनाओं के लिए सभी व्यवस्थापन अवधारणाओं में नियोजित स्वार्थ की साधनवैज्ञानिक ज्ञान, एक बिल्डर पर्यावरण मूल्यांकन और एक स्वस्थ ग्रुपीवार तत्कालीन, जो संचालन की नीति होना चाहिए। जब संपन्न है, वह वित्तीय परियोजना या शारीरिक विकास की क्षेत्र के से दूर ते ना बना एक आर्थिक और पर्यावरणीय रूप से संयोजित निर्णय हो सकता है।

53) निर्माण के दौरान और उसके बाद उपलब्ध वामुण्ड, तत्त्व और थोड़ा अपसंद न सिधिधार्य निर्माण के लिए नियमानुसार निर्धारित और तामाही की जानी चाहिए। इसका विषय वे कार्टेसियन क्षेत्र के रोड नहीं होना चाहिए, फिर वह निर्माण के प्रतिकृति संस्करण के साथ संबंधित किया जाएगा। तथापि सहाय और भौगोलिक कार्टेसियन कार्टेसियन प्रतिकृति के संरचनाओं की लाभों का आंदोलन ले सके।

54) उन क्षेत्रों में जहाँ दूरी जानकारी को साफ़ कर दिया गया है और अन्य प्रायोजनों द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है, प्राकृतिक के गर्म-देरी प्राकृतिक के न्यूनतम एवं रोजगार की योजना बनाने चाहिए जो जगह की पारिस्थितिक स्थितियों के लिए अनुचित तरह अनुकूलित है।

क्षेत्र में उद्देश्य

47) कार्टेसियन क्षेत्रों में नई खानों या खानों के खिलाफ एक अभाव होना चाहिए, जब तक कि वह नहीं दिखाई जा सकता है कि कम आवश्यक और उच्च आर्थिक योग्य निर्माण के खिलाफ कोई वैकल्पिक स्थल नहीं है।

48) कार्टेसियन में एक नई खाना, या खानाओं के लिए कोई भी प्रस्ताव एक विभाजित पार्श्ववर्ती मूल्यांकन के अधिक होने का, जो क्षेत्र की सीमा में और साथ ही स्थानीय तत्कालीन, और कार्टेसियन में का माध्यम से दूर के प्राप्तों की संभावना पर विचार करता है।

49) पार्श्ववर्ती मूल्यांकन में गुप्ता और कार्टेसियन-अकृतिकता और भारतीय क्षेत्र के मूल्य का चरम और मूल्यांकन करना चाहिए, यह आकार निर्माण करता है क्यों कार्टेसियन निर्माण स्थल है, जहां कम महत्वपूर्ण भाव हो। वहाँ दूरी वैकल्पिक स्थल नहीं है, जहां
झलपूरति

(61) कार्ट जल लोग, जैसे ठंडे, ऊष्मा और गुफाओं के लिए सुरक्षा बनावट क्षेत्र के प्राकृतिक रूप से निबंधन के रूप में उपयोग किया जाता है। इस संरचना केंद्रों में, उबरकियों के उचित उपयोग से निपटने और निपटने जल निकालने (controlled water-pumping) के साथ कृपया पहली श्रेणी में निम्नलिखित विवरण दिए जाने चाहिए।

(62) उबरकियों के उपयोग के उचित, निपटने, निपटने और निपटने जल निकालने (controlled water-pumping) के साथ कृपया पहली श्रेणी में निम्नलिखित विवरण दिए जाने चाहिए।

(63) कार्ट में अनिवार्य उपयोग वाले भूत प्राविभागितों में प्रमुख सारण के लिए कहीं ऊष्मा और चरित्र कूड़ा में एक मकड़ी निपाहित प्राविभागित की जानी चाहिए। उसी कूड़ा में, लंबे समय तक उचित संरचना द्वारा निपाहित (high resolution remote monitoring) सेवा है और इसे अधिक उचित से सुरक्षा की जानी चाहिए।

(64) सभी देशों को कार्ट जल लोगों को एक सीमित और सत्यता से अनुमोदित उपयोग के लिए कहीं ऊष्मा और चरित्र कूड़ा में एक मकड़ी निपाहित प्राविभागित की जानी चाहिए। उसी कूड़ा में, लंबे समय तक उचित संरचना द्वारा निपाहित (high resolution remote monitoring) सेवा है और इसे अधिक उचित से सुरक्षा की जानी चाहिए।

(65) कार्ट जल प्रबंधन के माध्यम से कई दृष्टिकोणों के व्यवहार के बारे में बहुत कम जानकारी है, इस प्रकार की वैज्ञानिक वातावरण को आगे बढ़ाने के लिए उचित ध्यान उपयोग करने जानी चाहिए।

प्राविभागितों और शानदार विकास

(66) विशेष रूप से संरचना केंद्रों में गुफाओं और कार्ट संसाधनों के प्रबंधन और सुरक्षा के लिए निम्नलिखित (monitoring) एक अवश्यक उपकरण है। चतुर्वेदी नियमों के पारंपरिक का उपयोग प्रबंधन को सुनिश्चित करने और प्रबंधन को उपयोग करने के लिए नियम जा सकता है।

(67) निम्नलिखित प्राविभागितों और प्राविभागितों के उद्देश्य मूल्य या अन्य, उनकी फायदा और भागीदारी और व्यापक तथा प्राविभागित खतरे या प्रबंधन के गतिशीलता के आधार पर प्राविभागित फैक्ट्री किया जा सकता है।

(68) भूत प्रवाह कार्ट में विशेष समस्याओं पर एक समाधान देना है। इसलिए सभी हमारे कर्तव्य के लिए, उन्हें नियमों की जानकारी दें जानकारी दें। उन्हें किसी नियम रखने से पहले उनके अधिकारों को समझाता है। उन्हें जानकारी दें जानकारी दें।